समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

भारत-चीन सीमा विवाद : बातचीत मे मिली प्रगति, पर इन जटिलताओं से निपटना अभी चुनौतीपूर्ण

Publisher

Published on 15 Sep 2025

भारत और चीन के बीच लंबे समय से चल रहा सीमा विवाद अब भी दोनों देशों के रिश्तों में एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। हालांकि हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रक्रिया में कुछ सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन कई महत्वपूर्ण उलझनें अब भी बरकरार हैं।

हाल ही में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों और उच्च स्तरीय अधिकारियों के बीच हुई बैठकों ने यह संकेत दिया कि सीमा विवाद को हल करने के लिए दोनों पक्ष गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि चीन सीमा विवाद के स्थायी समाधान के लिए भारत के साथ बातचीत करने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा का सवाल जटिल है और इसे सुलझाने में समय लगेगा, लेकिन दोनों देशों ने पहले से ही विभिन्न स्तरों पर गहन बातचीत के लिए तंत्र स्थापित कर लिया है।

भारत की ओर से भी यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि वह बातचीत के जरिए विवाद का शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान चाहता है। अधिकारियों का कहना है कि हाल की प्रगति सकारात्मक है, लेकिन वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) की अस्पष्टता और क्षेत्रीय तनाव जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं।

मुख्य उलझने और चुनौतियाँ:

1. **सीमा निर्धारण की अस्पष्टता :**
   LAC के विभिन्न हिस्सों में सीमाओं की स्थिति स्पष्ट नहीं है। इससे सैनिकों के बीच अप्रत्याशित टकराव और झड़प की संभावना बढ़ जाती है।
2. **भू-राजनीतिक रणनीतियाँ:**
   चीन का पाकिस्तान के साथ बढ़ता सहयोग और भारत के साथ क्षेत्रीय सामरिक प्रतिस्पर्धा, इस विवाद को और जटिल

बनाता है।

3. **स्थानीय स्तर पर तनाव :**
   गलवान घाटी जैसी संवेदनशील जगहों पर पहले भी हिंसक झड़पें हो चुकी हैं, जिससे दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी रही है।
4. **सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टिकोण का अंतर :**
   भारत और चीन के नीति निर्धारकों के बीच रणनीतिक सोच और निर्णय लेने के तरीके में भिन्नता भी इस विवाद को हल करने में बाधा डालती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस विवाद का समाधान केवल सैन्य और राजनीतिक बातचीत से नहीं, बल्कि विश्वास निर्माण और दोनों देशों के आपसी समझ से ही संभव है। उन्हें लगता है कि भारत और चीन को परस्पर हित और क्षेत्रीय शांति को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

भारत-चीन सीमा विवाद केवल दो देशों के बीच नहीं है; यह पूरे क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करता है। इस कारण से यह आवश्यक है कि दोनों पक्ष संयम बरतें और आपसी सम्मान और विश्वास के आधार पर समाधान की दिशा में कदम बढ़ाएँ।

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक जटिल और दीर्घकालिक मुद्दा है। हाल की बातचीत में प्रगति हुई है, जो सकारात्मक संकेत देती है, लेकिन कई चुनौतीपूर्ण मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। सीमा निर्धारण की अस्पष्टता, स्थानीय संघर्ष और भू-राजनीतिक रणनीतियों की जटिलता को देखते हुए, दोनों देशों को सतर्क और समझदारी से आगे बढ़ना होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.